Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to declare Eastern Rajasthan Canal Project as project of national importance.

श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया (टोंक-सवाई माधोपुर): बीसलपुर बांध का निर्माण कार्य बनास नदी पर टोंक जिले की देवली तहसील में किया गया है । वर्ष 1999 में निर्माण कार्य पूर्ण हुआ तथा वर्ष 2004 में प्रथम बार पूर्ण भरा गया था ।

वर्तमान में वर्षों से बीसलपुर बांध में पानी की आवक कम हो रही है । विगत 15 वर्षों में मात्र 4 बार अर्थात् 2004, 20 06, 2014 एवं 2016 में ही बीसलपुर बांध पूर्ण रूप से भरा है । जबकि वर्ष 2010 में बांध लगभग पूर्ण रूप से सूख गया था । इसके अतिरिक्त बीसलपुर बांध के ओवरफ्लो पानी की गणना बीसलपुर बांध के डाउन स्ट्रीम में प्रगतिरत ईसरदा बांध की हाइड्रोलोजी में सम्मिलित की जा चुकी है । इन परिस्थितियों के मद्देनजर बीसलपुर बांध के ओवरफ्लो का पानी टोरडी सागर में डाला जाना संभव नहीं है ।

क्षेत्र के विस्थापितों एवं जन प्रतिनिधियों की मांग अनुसार प्रस्तावित ईस्टर्न राजस्थान केनाल प्रोजेक्ट जो कि राज्य की कालीसिंध, चम्बल इत्यादि नदियों का पानी राज्य के 13 जिलों (झालावाड़, बांरा, कोटा, बूंदी, टोंक, सवाई माधोपुर, अजमेर, जयपुर, दौसा, धोलपुर, करौली, अलवर, भरतपुर) के बांधों में ले जाना प्रस्तावित है, के माध्यम से टोरडीसागर व मांशी बांध में डाला जाना प्रस्तावित है । लगभग 40,451 करोड़ रूपये लागत की पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना की डी.पी.आर. आवश्यक स्वीकृति हेतु केन्द्रीय जल आयोग, नई दिल्ली को पूर्व में राज्य की तत्कालीन भाजपा सरकार के समय ही प्रेषित की जा चुकी है । जिसका कार्य 3 चरणों में लगभग 7 वर्षों में पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है ।

पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के उत्तर पूर्व भाग टोंक व सवाई माधोपुर के साथ साथ अन्य 11 जिलों के किसानों के लिए अति महत्वपूर्ण जीवनदायिनी

परियोजना है । राजस्थान सरकार ने इस प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय दर्जा देने के लिए जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय से भी अनुरोध किया है ।